जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 29 संख्याः 26 प्रभात उदयपुर, सोमवार 29 नवम्बर, 2021 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

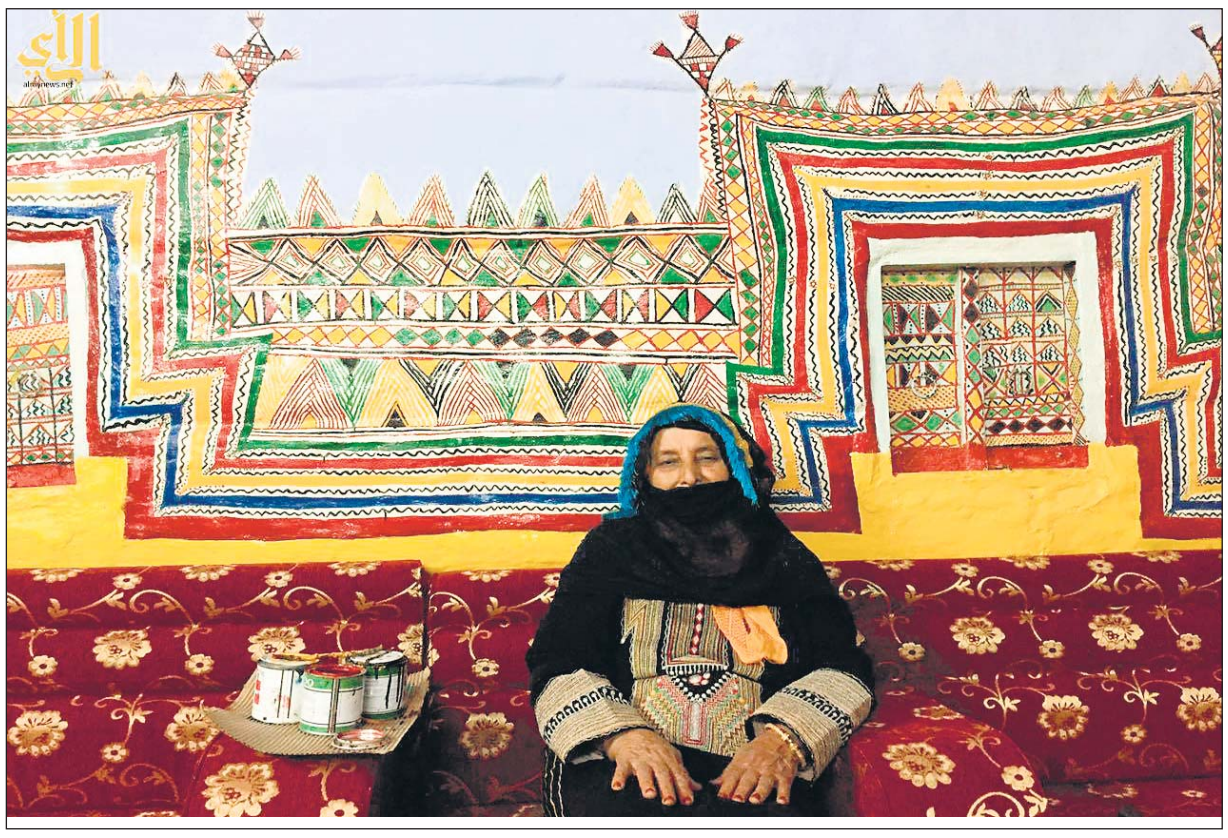

अल-कत-अल असीरी, सऊदी अरब की एक पारम्परिक चित्र शैली है, इसे युनैस्को ने इन्टैन्जिबल कल्चरल हैरिटेज की अन्तर्राष्ट्रीय सूची में शामिल किया है। सऊदी अरब के दक्षिणी क्षेत्र, असीरी में ही इस शैली का जन्म हुआ। सबसे खास बात यह है कि, महिलाएं ही ये चित्र बनाती हैं। असीरी के पारम्परिक घरों की बैठक की दीवारों पर ये चित्र देखे जा सकते हैं। महिलाएं ज्यामितीय आकृतियां और जनजातीय प्रतीकों की आकृतियाँ बनाकर उनमें शोख रंग भरती हैं। अरबी भाषा में इन्हें नागाश पेंटिंग कहते हैं। इनका एक नाम मजलिस पेंटिंग भी है, क्योंकि ये चित्र मुख्यतया घर की बैठक अर्थात् मजलिस में बनाए जाते हैं। इस चित्र शैली में प्रयुक्त ज्यामितीय डिजाइन यहां के टैक्सटाइल व कपड़ों की बुनाई के पैटर्न को प्रतिबिंबित करते हैं। इनमें आड़ी-तिरछी रेखाओं, त्रिभुजों व वर्गों का प्रयोग ज्यादा किया जाता है। त्रिकोण के आकार से पहाड़ व तिरछी रेखाओं से पानी को दर्शाया जाता है। बैठक के अलावा शेष घर की दीवारों, सीढ़ियों व फर्नीचर पर भी इस तरह की चित्रकारी की जाती है। एक परिवार की सम्पन्नता का अंदाजा दीवार पर बनी तस्वीरों से लगाया जाता है। यह तो ज्ञात नहीं है कि पेंटिंग की यह परम्परा कब शुरु हुई, परंतु 1991-92 में प्रोफैसर घीथान अली जराइस ने एक रिसर्च के दौरान तीन सौ से चार सौ साल पुराने घर भी देखे जिनकी दीवारों पर ऐसे चित्र बने हुए थे। इससे स्पष्ट है कि यह परम्परा काफी पुरानी है और पीढ़ी से पीढ़ी हस्तांतरित होती है। असीरी महिलाओं ने भी बताया कि उन्हें यह पेंटिंग उनकी मां ने सिखाई थी तथा उनकी मां ने अपनी मां से यह कला सीखी थी। सऊदी अरब के नीरस रेगिस्तानी माहौल को ये रंग बिरंगी पेंटिंग्स जीवंत व रंगीन बना देती हैं।

त्रिपुरा निकाय चुनाव में भाजपा ने विपक्षी पार्टियों का सूपड़ा साफ किया

भाजपा ने 334 वॉर्डों में से 329 में कब्जा जमाया, तृणमूल कांग्रेस को सिर्फ एक सीट मिली

- **निकाय चुनाव के नतीजों से जहां भाजपा गदगद है तो महज एक सीट जीतने वाली तृणमूल कांग्रेस की भी खुशी कम नहीं है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद मिशन दिल्ली के तहत ममता बनर्जी की पार्टी ने सबसे पहले त्रिपुरा में ही विस्तार का ऐलान किया था।**
- **टी.एम.सी. को सीट महज एक ही मिली हो, लेकिन वोट शेयर के मामले में इसने लैफ्ट को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है।**
- **टी.एम.सी. के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने ट्विटर पर कहा कि, यह उनकी पार्टी के लिए 20 प्रतिशत मत हासिल करना असाधारण बात है, जिसकी तीन माह पहले त्रिपुरा में न के बराबर उपस्थिति थी।**

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। भाजपा ने त्रिपुरा निकाय चुनाव में विपक्ष का सूपड़ा साफ कर दिया है। अगरतला म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन सहित 14 अर्बन बॉडीज में हुए चुनाव में भाजपा ने कुल 334 वॉर्डों में से 329 पर कब्जा जमा लिया। अगतला में तो सभी 51 सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की है। कुल 334 सीटों में से 222 पर 25 नवंबर को मतदान हुआ था, जिसमें 81.54 फीसदी मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। कुल 222 में से 217 सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की, जबकि 112 पर उसके प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए।

निकाय चुनाव के नतीजों से जहां भाजपा गदगद है तो महज 1 सीट जीतने वाली तृणमूल कांग्रेस की भी खुशी कम नहीं है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद मिशन दिल्ली के तहत ममता बनर्जी की पार्टी ने सबसे पहले त्रिपुरा में ही विस्तार का ऐलान किया था। टी.एम.सी. को सीट महज 1 ही मिली हो, लेकिन वोट शेयर के मामले में इसने लेफ्ट को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। त्रिपुरा म्यूनिसिपल बॉडीज के कई वॉर्डों में सी.पी.आई. (एम) को पीछे छोड़कर मुख्य विपक्षी का दर्जा हासिल करने वाली टी.एम.सी. ने अपने प्रदर्शन को असाधारण बताया। पार्टी इसे 2023 विधानसभा चुनाव से पहले अपनी कामयाबी के तौर पर देख रही है।

टी.एम.सी. के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने ट्विटर पर कहा कि यह उनकी पार्टी के लिए 20 प्रतिशत मत हासिल करना असाधारण बात है, जिसकी त्रिपुरा में न के बराबर उपस्थिति थी। उन्होंने ट्वीट किया, हमने बमुश्किल 3 महीने पहले अपनी गतिविधियां शुरू कीं, इसके बावजूद हमें यह प्रतिक्रिया मिली है जबकि भाजपा ने त्रिपुरा में लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

त्रिपुरा टी.एम.सी. के सभी बहादुर सैनिकों को उनके अनुकरणीय साहस के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

करोना संक्रमण के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन से राजस्थान अभी सुरक्षित

राज्य में अभी तक इस वैरिएंट का कोई भी मामला सामने नहीं आया है

-कार्यालय संवाददाता-

- **केन्द्र सरकार ने राजस्थान सहित सभी राज्यों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।**
- **प्रदेश में रविवार को थोड़ी कमी के बाद 17 नए संक्रमित मिले। इनमें सबसे ज्यादा 8 मामले जयपुर में पाए गए हैं।**
- **राज्य में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर दो सौ के करीब पहुंचे।**

जयपुर, 28 नवम्बर । विदेश में करोना संक्रमण का नया वैरिएंट ओमिक्रॉन मिलने से हड़कंप मचा हुआ है, वहीं राहत की बात यह है राजस्थान इससे अभी सुरक्षित है। फिलहाल यहां इसका कोई भी मामला सामने नहीं आया है।

नए वैरिएंट को लेकर केन्द्र ने राजस्थान सहित सभी राज्यों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। इस बीच राज्य में रविवार को थोड़ी गिरावट के बाद करोना के 17 नए रोगी मिले हैं। हांलाकि इस बीच प्रदेश में एक्टिव केस बढ़कर दो सौ के करीब पहुंच गए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव राजेश भूषण ने राजस्थान सहित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और स्वास्थ्य सचिवों को पत्र भेजकर कहा है कि ओमिक्रॉन को देखते हुए अत्यधिक सतर्कता बरती जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कोविड मानकों की कड़ाई से पालन की जाए। पत्र में कहा गया है कि ओमिक्रॉन से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा तैयार किया जाना चाहिए। वहीं अति जोखिम वाले दस देशों से आने वाले यात्रियों को लेकर भी सतर्कता बरती जाए। इसके अतिरिक्त विदेश से आने वाले लोगों पर कड़ी नजर रखते हुए उनकी कोविड जांच करवाई जाए।

इधर राजस्थान में अब तक करोना के नए वैरिएंट का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है।

पहली और दूसरी लहर के दौरान राज्य में अल्फा, डेल्टा और कप्पा वैरिएंट ही मिला है। हालाकि नए वैरिएंट से बचने के लिए राज्य में विदेशों से आने वाले सभी लोगों की जांच होना बेहद जरूरी है।

उधर दूसरी ओर राजधानी जयपुर सहित राज्य भर में करोना के नए मामलों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। इसके चलते राज्य में रविवार को 17 नए मरीज सामने आए हैं। इससे पहले शनिवार को 26 रोगी पाए गए थे। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में फिर सबसे ज्यादा 8 मरीज जयपुर में मिले हैं। इसके अलावा अजमेर में 4 तथा अलवर, जैसलमेर, नागौर, पाली और उदयपुर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। राजधानी में रविवार को लालकोठी में 4, बनीपार्क में 2 और गांधीनगर व मुरलीपुरा में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस दौरान 5 मरीज रिकवर भी हुए हैं।

इस बीच राज्य के 26 जिलों में संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। इनमें 20 जिले ऐसे है, जहां अब न कोई नया संक्रमित है और न ही कोई एक्टिव केस मौजूद है।

प्रदेश में रविवार को केवल 5 और संक्रमितों के ठीक होने के साथ ही अब तक इस बीमारी से 9 लाख 45 हजार 604 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। राज्य में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 199 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 104 मामले जयपुर में तथा 30 केस अजमेर में हैं।

इसके अलावा 11 जिले अलवर, बारां, बाड़मेर, बीकानेर, दौसा, जैसलमेर, जोधपुर, नागौर, पाली, राजसमंद और उदयपुर में 20 से कम एक्टिव केस हैं। प्रदेश में शनिवार को भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हांलाकि राज्य में इस बीमारी से अब तक 8955 लोगों की मौत हो चुकी है।

'आंकड़े झूठे हैं, लेकिन लोगों की पीड़ा सच्ची है'

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि देश में कोविड-19 के कारण मरने वालों का सही और ठोस आंकड़ा सामने आना चाहिए और इस महामारी के कारण मरने वाले लोगों के परिवारों को चार लाख रुपये मुआवजा दिलाने के लिए वह प्रयास करेगी।

करोना वायरस के कारण जान गंवाने वाले लोगों के परिवार को मुआवजा दिलाने के लिए केंद्र पर दबाव

- **राहुल गांधी ने यह भी कहा कि, मुआवज़ा देना पड़े, इस डर से सरकार ने करोना से बड़े पैमाने पर हुई मौतों के आंकड़े छुपाये हैं।**

बनाने के पार्टी के अभियान के तहत कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महामारी की दूसरी लहर के दौरान पीड़ित परिवारों का वीडियो साझा किया।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस संसद के दोनों सदनों में मुद्दे को उठाएगी और इस तरह के सभी परिवारों को सरकार से चार लाख रुपये मुआवजा दिलाने की मांग रखेगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममता बनर्जी को संसद में अब कांग्रेस की अगुवाई बिल्कुल मंजूर नहीं!

कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे की ओर से बुलाई गई विपक्षी दलों की बैठक में तृणमूल ने नहीं आने का ऐलान किया

- **सोमवार को यह बैठक प्रमुख मुद्दों पर सरकार को घेरने के लिए विपक्ष की संयुक्त रणनीति पर चर्चा के लिए बुलाई गई है।**

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार को घेरने से पहले ही विपक्षी खेमे में दरार पैदा हो गई है। तृणमूल कांग्रेस ने राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा सोमवार को बुलाई गई बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। हालांकि वह रविवार को सरकार की बैठक में शामिल हुई थी। सोमवार की बैठक प्रमुख मुद्दों पर सरकार को घेरने के लिए विपक्ष की संयुक्त रणनीति पर चर्चा के लिए बुलाई गई है।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि, उन्होंने सभी विपक्षी दलों को आमंत्रित किया, लेकिन इसमें शामिल होना या न होना उन पर निर्भर है। हालांकि कांग्रेस शुक्रवार को 14 विपक्षी दलों को संविधान दिवस समारोह में शामिल न होने के लिए मनाने में सफल रही, लेकिन तृणमूल कांग्रेस से दूरी बनाए रखना चाहती है क्योंकि बनर्जी पश्चिम बंगाल के बाहर अपना आधार बढ़ाना चाहती हैं लेकिन राष्ट्रीय राजनीति में उनके आने से विपक्ष की बड़ी चर्चा बाधित हो सकती है।

इन दरारों को कांग्रेस द्वारा परोक्ष रूप से निशाना बनाने के साथ देखा जा सकता है और गोवा, असम और मेघालय में अपनी पार्टी के नेताओं को तोड़ने के लिए चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को दोषी ठहराया जा सकता है। ममता बनर्जी ने अपनी हालिया दिल्ली यात्रा पर, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात नहीं की थी।

गौरतलब है कि, इससे पहले केन्द्र सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय मीटिंग में आप पार्टी ने भी आने से इंकार कर दिया था और आप पार्टी इसमें शामिल नहीं हुई थी।

हालांकि, संसद के शीतकालीन सत्र से पहले कांग्रेस, सरकार के खिलाफ एक मजबूत गठबंधन बनाने के लिए, तृणमूल से बात कर रही है और इसे भी बोर्ड पर ले जाने की कोशिश कर रही है। लेकिन संदेह बरकरार है क्योंकि मेघालय विभाजन (जहां 17 में से 12 विधायक तृणमूल में चले गए) ने कांग्रेस में हंगामा खड़ा कर दिया है, जो पहले से ही पूर्वोत्तर में भाजपा के हमले का सामना कर रही थी।

हालांकि संसद में विपक्षी एकता पर टी.एम.सी. के राज्य सभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा, संसद में विपक्ष की एकता होगी।

आम मुद्दे विपक्ष को एकजुट करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस हमारी चुनावी सहयोगी नहीं है और न ही हम उनके साथ सरकार चला रहे हैं बस इतना सा ही अंतर है।

बंगाल में सड़क हादसे में 18 लोगों की मौत

कोलकाता, 28 नवंबर (वार्ता)। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में शनिवार रात हुए एक सड़क हादसे में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई है और पांच अन्य घायल हो गए हैं।

सूत्रों ने बताया कि हादसा उस समय हुआ, जब वाहन में सवाल लोग उत्तर 24 परगना के बगदा से नवद्वीप में श्मशान घाट जा रहे थे। इस दौरान

- **एक वाहन में सवार होकर लोग श्मशान घाट जा रहे थे तभी उनके वाहन की एक ट्रक से टक्कर हो गई।**

हांसखाली थाना क्षेत्र के फूलबाड़ी में अनियंत्रित होकर उनका वाहन सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जाकर टकरा गया। दुर्घटना में घायल लोगों को तुंरत अस्पताल ले जाया गया।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने इस घटना पर दुख जताते हुए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केंद्रीय नेतृत्व द्वारा वसुंधरा राजे को कड़ी फटकार लगाने की चर्चा जोरों पर

वसुंधरा राजे की राजनीतिक यात्रा में भाजपा के बागी नेताओं का जमावड़ा रहा

- **चर्चा है कि, अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे एक-दूसरे के खिलाफ बयान देने से बचते हैं।**
- **अमित शाह के दौरे की तैयारियों में जुटे सतीश पूनिया, वहीं दूसरी ओर वसुंधरा राजे अपना शक्ति-प्रदर्शन कर रही हैं।**

जयपुर, 28 नवम्बर (का.सं.)। भाजपा में सियासी खींचतान जाहिर है, जिसमें संघ पृष्ठभूमि के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार संगठन की मजबूती के लिए कार्य कर रहे हैं, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे राजनीतिक यात्रा के जरिए केंद्रीय नेतृत्व पर दबाव बनाने की कोशिश कर रही हैं। इस बीच कई भाजपा नेताओं में अंदरूनी चर्चा और सूत्रों से मिली जानकारी की माने तो केंद्रीय नेतृत्व ने वसुंधरा राजे को पत्र द्वारा लिखित में कड़ी फटकार लगाई है, जिसके बारे में आगामी दिनों में खुलासा होने पर स्पष्ट हो सकता है।

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे सिंधिया ने हाल ही में चार दिन की यात्रा की है, जिसे वह धार्मिक यात्रा नाम दे रही हैं, जबकि हकीकत यह है कि यह उनकी राजनीतिक यात्रा थी, जिसमें उनके साथ वह लोग ज्यादा थे जो भाजपा से बागी होकर चुनाव लड़े हैं। इनमें प्रमुख रूप से रणधीर सिंह भिंडर, भंवर सिंह पलाड़ा, लादूलाल पिपलिया हैं। सियासी गलियारों में चर्चा है कि प्रदेश भाजपा, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दौरे को लेकर बड़े स्तर पर तैयारियों में जुटी हुई है, वहीं वसुंधरा राजे अपनी खुद की सियासी जमीन की हकीकत टटोल रही हैं, जिसमें भविष्य में नई पार्टी का ऐलान भी कर सकती हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि भाजपा केंद्रीय नेतृत्व की बात करें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के साथ वसुंधरा राजे की मुख्यमंत्री रहने के दौरान से ही सियासी दुश्मनी है, ऐसे में केंद्रीय नेतृत्व वसुंधरा राजे के नेतृत्व को शुरुआत से ही नकार कर मौजूदा प्रदेश नेतृत्व को आगे बढ़ाने का मन बना चुका है।

भाजपा नेताओं में चर्चा इस बात को लेकर भी जोरों पर है कि वसुंधरा राजे की इस पूरी यात्रा में खास बात यह रही कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व उनकी सरकार की कार्यशैली पर बोलने से बचती रहीं और इसी तरह मुख्यमंत्री गहलोत भी वसुंधरा राजे के खिलाफ बयान देने से बचते हैं। राजनीतिक विश्लेषक यह कहते हैं कि वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत की अंदरूनी तौर पर सियासी मित्रता के स्पष्ट संकेत मिलते हैं, जिसमें चाहे पिछले साल कांग्रेस सरकार के विश्वासमत के दौरान भाजपा के चार विधायकों के विधानसभा से गायब होने की बात हो या कांग्रेस सरकार के अन्य कई फैसलों की बात हो।

वसुंधरा राजे निकाय चुनावों से लेकर उपचुनाव तक भाजपा के प्रदेश नेतृत्व को सियासी तौर पर नुकसान पहुंचाने की तमाम कोशिशें कर चुकी हैं, जिसमें वह केंद्रीय नेतृत्व की नजर में प्रदेश भाजपा नेतृत्व को कमजोर दिखाकर खुद को मजबूत दिखाने की कोशिश कर रही हैं, जिसमें वह सफल नहीं हुई। वसुंधरा की इस यात्रा से पार्टी के ज्यादातर पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों ने दूरी बनाये रखी।

हाल ही में भी राजे ने मेवाड़ यात्रा से केंद्रीय नेतृत्व पर दबाव बनाने की कोशिश की, यात्रा में मौजूदगी के लिए वसुंधरा राजे द्वारा विधायकों, पूर्व विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों को फोन कर बुलाने की भी चर्चाएं भाजपा मुख्यालय में सुनने को मिल रही हैं।

पार्टी के जिन नेताओं का एक-डेढ़ साल पहले निधन हो गया, उनको इतने लंबे समय के बाद शोक संवेदना के बहाने वसुंधरा ने अपने इस राजनीतिक इवेंट के जरिए खुद का शक्ति-प्रदर्शन किया, जबकि शोक संवेदना के नाम पर शायद ही प्रदेश में किसी नेता ने शक्ति प्रदर्शन किया हो, क्योंकि दुख में तो संबल दिया जाता है, ना की शक्ति-प्रदर्शन किया जाता है।

जबकि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सात करोड़ रु. के नकली नोट

ढाका, 28 नवंबर (वार्ता)। बंगलादेश पुलिस ने शनिवार को राजधानी ढाका स्थित एक घर से सात करोड़ रुपये से अधिक की नकली भारतीय मुद्रा बरामद की जिसे पाकिस्तान में बनाया गया था और

- **बंगलादेश पुलिस ने राजधानी ढाका स्थित एक घर से सात करोड़ रुपये से अधिक की नकली भारतीय मुद्रा बरामद की जिसे पाकिस्तान में बनाया गया था और इसे भारत भेजने का इरादा था।**

बंगलादेश के सीमावर्ती क्षेत्रों के माध्यम से भारत में भेजने का इरादा था।

पुलिस उपायुक्त अहमद असदुज्जमां के मुताबिक उत्तरी ढाका के दक्षिणखान इलाके में स्थित एक घर की पानी की टंकी से 1400 से ज्यादा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)